शिखर 4

पाठ 6. नीम बड़ा गुणकारी

पाठ का उद्देश्य

प्रस्तुत पाठ का उद्देश्य नीम के बारे में जानकारी देना है। नीम एक बहुपयोगी एवं गुणकारी पेड़ है।

पाठ का सारांश

नीम का पेड़ बहुत विशाल नहीं होता। इसकी ऊँचाई लगभग 50 से 70 फुट तक ही होती है। यह भारत के अलावा मलाया, चीन, म्यांमार आदि देशों में भी पाया जाता है।

इसे गर्म देश ही प्यारा है। नीम की एक शाखा में छोटी-छोटी 29 या 31 पत्तियाँ होती हैं। इसमें छोटे-छोटे सफ़ेद फूल लगते हैं। पराग के कारण इसके फूलों पर मधुमक्खियों और शकरखोरा आदि पक्षियों की भीड़ लग जाती है। नीम के फल को निबौरी कहते हैं। तोतों को इसके फल बहुत अच्छे लगते हैं। नीम के पत्ते अलमारी, बक्सों तथा अनाज आदि की बोरियों में रखे जाते हैं ताकि उनमें कीड़े न लगें। नीम की टहनियाँ दातुन करने के काम आती हैं। तने की छाल और गोंद से दवा बनाई जाती है। फोड़े-फुंसियों या अन्य घावों में नीम रामबाण औषधि का काम करता है।

अध्यापन संकेत

पाठ का आदर्श वाचन करें। बच्चों को नीम के पेड़ के गुणों एवं उसके महत्त्व के बारे में बताइए।

- बच्चों को नीम की दातुन करने के लिए प्रोत्साहित करें।
- पेड़-पौधों का हमारे जीवन में क्या महत्त्व है? इसके बारे में विस्तार से समझाएँ।
- बच्चों को पेड़-पौधे लगाने के लिए प्रोत्साहित करें।
- अन्य गुणकारी और औषधीय पेड़-पौधों के बारे में जानकारी दें।
- पेड़-पौधे पक्षियों एवं जानवरों के लिए रैन-बसेरे का काम करते हैं। बच्चों को इस तथ्य से अवगत कराएँ।

डिजिटल (Digital) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।

दोस्ती पत्तियों से (केवल पढ़ने के लिए)

डिजिटल (Digital) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।